लोक सभा वाद - विवाद

(हिन्दी संस्करण)

चौदहवां सत्र (भाग-दो)
(तेरहवीं लोक सभा)

(खण्ड 39 में अंक 1 से 5 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली
मूल्य : पचास रुपये

सम्पादक मण्डल

गुरदीप चन्द मलहोत्रा
महासचिव
लोक सभा

डा. (श्रीमती) परमजीत कौर सन्धु
संयुक्त सचिव

शारदा प्रसाद
प्रधान मुख्य सम्पादक

विद्या सागर शर्मा
मुख्य सम्पादक

वन्दना त्रिवेदी
वरिष्ठ सम्पादक

पीयूष चन्द्र दत्त
सम्पादक

(अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जायेगी। उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जायेगा।

विषय-सूची

त्रयोदश माला, खंड 39, चौदहवां सत्र, (भाग-दो) 2004/1925 (शक)

अंक 1, गुरुवार, 29 जनवरी, 2004/9 माघ 1925 (शक)

विषय	कॉलम
राष्ट्रगान	1
निधन संबंधी उल्लेख	1-4

लोक सभा

गुरुवार, 29 जनवरी, 2004/9 माघ 1925 (शक)

लोक सभा पूर्वाह्न ग्यारह बजे समवेत हुई।

(अध्यक्ष महोदय *पीठासीन हुए*)

राष्ट्रगान

(राष्ट्रगान की धुन बजाई गई)

...(व्यवधान)

[अनुवाद]

श्री पवन कुमार बंसल (चंडीगढ़) : महोदय, इस सभा की बैठक राष्ट्रपति के अभिभाषण के बिना आहूत की गयी है *...(व्यवधान)*

[हिन्दी]

श्री राशिद अलवी (अमरोहा) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में जो डिस्ट्रिक्ट्स खत्म किये गये हैं, उनको बहाल किया जाये।...*(व्यवधान)* प्रधानमंत्री जी ने भी इसके बारे में बोला था *....(व्यवधान)*

पूर्वाह्न 11.02 बजे

[अनुवाद]

निधन संबंधी उल्लेख

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यो, मुझे सभा को अपने वर्तमान सहयोगी श्री भान सिंह भौरा तथा दो भूतपूर्व सहयोगियों, श्री कुशाभाऊ ठाकरे और श्री के. आर. गणेश के दुखद निधन की सूचना देनी है।

श्री भान सिंह भौरा पंजाब के भटिंडा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान लोक सभा के सदस्य थे। इससे पूर्व, श्री भौरा ने 1971 से 1977 तक पांचवीं लोक सभा में इसी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था।

श्री भौरा 1962 से 1968 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य भी रहे।

श्री भौरा एक समर्पित संसद्विद थे। वह 1999 से 2000 तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और वन संबंधी संसदीय समिति तथा वर्ष 2003 में कृषि समिति के सदस्य रहे। वह इस वर्ष 2000 से अपने निधन तक संचार मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के सदस्य भी रहे।

राजनीति में औपचारिक रूप से भाग लेने से पहले, श्री भौरा ने विद्यार्थी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। वह समाज के निम्न वर्गों, दलितों और भूमिहीनों के अधिकारों के पक्षधर थे। एक विख्यात मजदूर नेता के रूप में, वह अखिल भारतीय युवा फैडरेशन की पंजाब इकाई और पंजाब खेत मजदूर सभा के अध्यक्ष रहे। वह अखिल भारतीय स्टूडैंट फैडरेशन की पंजाब इकाई के सचिव और भारतीय खेत मजदूर यूनियन फैडरेशन के उपाध्यक्ष भी रहे।

वह पंजाब विश्वविद्यालय की सीनेट और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चण्डीगढ़ की गवर्निंग बॉडी के सदस्य भी रहे।

सहृदय और मृदुभाषी श्री भौरा की साहित्य में गहरी रूचि थी। उनका 'पैरों बोल्दिया" नामक एक कविता संग्रह 1992 में प्रकाशित हुआ था।

श्री भान सिंह भौरा का निधन 3 जनवरी, 2004 को नई दिल्ली में 70 वर्ष की आयु में हुआ। उनके निधन से हमने एक लोकप्रिय नेता खो दिया है।

श्री कुशाभाऊ ठाकरे 1979 के दौरान मध्य प्रदेश के खंडवा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से छठी लोक सभा के सदस्य थे।

मध्य प्रदेश के धार में 15 अगस्त, 1922 को जन्मे श्री ठाकरे डॉक्टर बनना चाहते थे, लेकिन भाग्य उन्हें सार्वजनिक जीवन में ले आया।

प्रारंभिक वर्षों से ही, श्री ठाकरे एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन सार्वजनिक सेवा में लगाया। वह एक साधारण व्यक्ति थे और उन्होंने सादा जीवन व्यतीत किया। अपने समर्पण भाव तथा अपनी मिलनसार प्रवृत्ति और निष्ठा से उन्होंने सभी का दिल जीता।

एक सच्चे कर्मयोगी, श्री ठाकरे को देशवासियों का भरपूर आदर और प्यार मिला।

श्री ठाकरे को उनके संगठनात्मक चातुर्य तथा देश सेवा के उनके सिद्धान्तों और मूल्यों के प्रति उनके लगाव के लिए सम्मान मिला।

श्री ठाकरे को उनके विशिष्ट सार्वजनिक जीवन, कठिन परिश्रम और लम्बे अनुभव से राजनीतिक कौशल प्राप्त हुआ और वह एक ऐसे राजनीतिक नेता बनकर उभरे जिन्होंने साधारणजन रहते हुए भी अपने कार्यों और व्यक्तित्व से समसामयिक राजनीति पर एक अमिट छाप छोड़ी। वह नई पीढ़ी के प्रेरणास्रोत थे। नैतिक मूल्यों और अनुशासन के प्रति उनके उत्साह से देशवासियों को प्रेरणा मिलती रहेगी।

श्री कुशाभाऊ ठाकरे का निधन 28 दिसम्बर, 2003 को नई दिल्ली में 81 वर्ष की आयु में हुआ।

श्री के. आर. गणेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 1967 से 1977 तक चौथी और पांचवीं लोक सभा के सदस्य थे।

श्री गणेश एक स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में भाग लिया और जेल गये।

वह एक जाने–माने मजदूर संघ कार्यकर्ता और पत्रकार थे।

वह एक योग्य प्रशासक थे तथा उन्होंने 26 जून, 1970 से 2 मई, 1971 तक वित्त मंत्रालय में उपमंत्री और तत्पश्चात् इसी मंत्रालय में 2 मई, 1971 से 10 अक्तूबर, 1974 तक राज्य मंत्री के रूप में तथा 10 अक्तूबर, 1974 से 1 दिसम्बर, 1975 तक पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया।

इससे पहले 1961 से 1966 तक वह पोर्ट ब्लेयर और म्युनिसिपल बोर्ड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहे तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र के लिए गृह मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के सदस्य रहे। वह इन्डो–सोवियत कल्चरल सोसाइटी के सदस्य और महासचिव भी रहे। वह संयुक्त राष्ट्र महासभा के दिसम्बर, 1969 में हुए 23वें सत्र के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे। वर्ष 1981 से 1990 तक वह केन्द्रीय भांडागार निगम के अध्यक्ष रहे।

श्री के. आर. गणेश का निधन 2 जनवरी, 2004 को हरियाणा के गुडगांव में 82 वर्ष की आयु में हुआ।

हम अपने इन मित्रों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं तथा मैं अपनी ओर से एवं सभा की ओर से शोकसंतप्त परिवारों को संवेदनाएं प्रेषित करता हूं।

माननीय सदस्यो, यह सभा 26 दिसम्बर, 2003 को बाम में आये भूकम्प के कारण हजारों लोगों की मृत्यु तथा सम्पत्ति को हुए नुकसान पर भी शोक व्यक्त करती है। यह सभा इस त्रासदी पर ईरान के लोगों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती है। सभा इस बात से अवगत है कि भारत सरकार ने भूकम्प पीड़ितों हेतु दस मिलियन अमरीकी डालर की राहत सहायता देने का वचन दिया है। भारत सरकार ने तुरंत ही डाक्टरों का एक दल भेजा जिसने बाम में दवायें, उपकरण और सर्जरी की सुविधाओं से युक्त एक फील्ड अस्पताल स्थापित किया। अन्य राहत सामग्री, यथा कम्बल और अधिक प्रोटीन वाले बिस्कुट भी आपदा राहत के लिए भेजे गए।

हमें इस जनहानि पर अत्यधिक शोक है और यह सभा इस त्रासदी पर अपना गहरा दुख व्यक्त करती है।

अब सदस्यगण दिवंगत आत्माओं के सम्मान में थोड़ी देर मौन खड़े रहेंगे।

पूर्वाह्न 11.09 बजे

(तत्पश्चात् सदस्यगण थोड़ी देर मौन खड़े रहे।)

....(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अब सभा कल मध्याह्न बारह बजे पुनः समवेत होने के लिए स्थगित होती है।

पूर्वाह्न 11.10 बजे

तत्पश्चात लोक सभा शुक्रवार, 30 जनवरी, 2004/10 माघ, 1925 (शक) के मध्याह्न बारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।